

रोम दृष्टि की स्थापना करता है - संख्या नौ

बुनियादों को अस्वीकार करना: 'The Daily' को लेकर विवाद और एडवेंटिस्ट भविष्यवाणी में सत्य से इनकार के परिणाम

Jeff Pippenger

2024-08-21

हम वर्तमान में एडवेंट इतिहास में रोम के विभिन्न प्रतीकों के संबंध में हुए विवादों की भविष्यसूचक कड़ी पर विचार कर रहे हैं। हम इस समय दानिय्येल की पुस्तक के "दैनिक" को संबोधित कर रहे हैं। वह विवाद एडवेंटवाद की नींवों के अस्वीकार, भविष्यवाणी की आत्मा के प्राधिकार के अस्वीकार, और परमेश्वर द्वारा चुने गए दूत के अस्वीकार का प्रतिनिधित्व करता है। मिलर के कार्य को अस्वीकार करना उन स्वर्गदूतों द्वारा मिलर को दी गई उस शिक्षा के अस्वीकार का भी द्योतक है, जिन्होंने 1798 में जब दानिय्येल की पुस्तक की मुहरें खुलीं तब ज्ञान की वृद्धि से उत्पन्न संदेश की समझ तक मिलर का मार्गदर्शन किया।

जो लोग उस सत्य को अस्वीकार करते हैं कि दूसरी थिस्सलुनीकियों में पोपीय सत्ता के प्रकट होने को रोकने वाली शक्ति (मूर्तिपूजक रोम) थी, वे यह प्रकट करते हैं कि वे सत्य से प्रेम नहीं करते; और सत्य के प्रेम को अस्वीकार करने के कारण उन्हें एक झूठ प्राप्त होता है। वह झूठ बदले में उन पर प्रबल भ्रम लाता है। झूठ कारण है, और जो प्रबल भ्रम वे पाते हैं वह परिणाम है। सत्य के प्रति प्रेम की कमी ही उनके आचरण की वजह है। वह झूठ बाइबिलीय सिद्धांतों की बहुलतावादी स्वीकृति के चुनाव का प्रतिनिधित्व करता है, इसके विपरीत वे लोग हैं जो निरपेक्ष सत्य में विश्वास करते हैं। इसी कारण यशायाह में पौलुस के "प्रबल भ्रम" का निरूपण "भ्रमों" के रूप में किया गया है, न कि मात्र एक "भ्रम" के रूप में। दूसरा वर्ग वे हैं जो सत्य से प्रेम करते हैं, निरपेक्ष सत्य की धारणा को स्वीकार करते हैं, और जिन्हें यशायाह ने परमेश्वर के वचन से कांपने वालों के रूप में पहचाना है।

प्रभु यूँ कहता है, स्वर्ग मेरा सिंहासन है, और पृथ्वी मेरे पाँव रखने की चौकी; वह घर कहाँ है जो तुम मेरे लिए बनाते हो? और मेरे विश्राम का स्थान कहाँ है? क्योंकि इन सब वस्तुओं को मेरे ही हाथ ने बनाया है, और ये सब वस्तुएँ अस्तित्व में आई हैं, प्रभु कहता है; परन्तु मैं उसी पर दृष्टि करूँगा—उस पर जो दीन और खेदित आत्मा वाला है, और जो मेरे वचन से काँपता है। जो बैल का वध करता है, वह मानो मनुष्य की हत्या करता है; जो मेम्ने का बलिदान करता है, वह मानो कुत्ते की गर्दन काटता है; जो भेंट चढ़ाता है, वह मानो सूअर का रक्त चढ़ाता है; जो धूप जलाता है, वह मानो मूर्ति को धन्य ठहराता है। हाँ, उन्होंने अपनी-अपनी राहें चुनी हैं, और उनकी आत्मा उनकी घृणित बातों में प्रसन्न होती है। मैं भी उनके लिए उनके भ्रम ठहराऊँगा, और उनके ऊपर वही बातें लाऊँगा जिनसे वे डरते हैं; क्योंकि जब मैंने पुकारा, तो किसी ने उत्तर न दिया; जब मैंने कहा, तो उन्होंने सुना नहीं; परन्तु उन्होंने मेरी आँखों के सामने बुराई की, और वह चुना जिसमें मुझे प्रसन्नता नहीं थी। जो प्रभु के वचन से काँपते हो, प्रभु का वचन सुनो: तुम्हारे भाई, जो तुमसे बैर रखते हैं और मेरे नाम के कारण तुम्हें बाहर कर चुके हैं, कहते हैं, 'प्रभु की महिमा हो'; परन्तु वह तुम्हारे आनन्द के लिए प्रगट होगा और वे लज्जित होंगे। यशायाह 66:1-5.

जो परमेश्वर के वचन से काँपते हैं, वे इस्राएल के बहिष्कृत हैं; अंतिम दिनों में इन्हीं को पताका के रूप में दर्शाया गया है।

और वह जातियों के लिए एक ध्वज खड़ा करेगा, और इस्राएल के निकाले हुए लोगों को इकट्ठा करेगा, और यहूदा के विखरे हुए लोगों को पृथ्वी के चारों कोनों से एकत्र करेगा। यशायाह 11:12.

परमेश्वर यह घोषित करते हैं कि वही उस घर को बनाने वाले हैं, जिसे दूषित चढ़ावे चढ़ाने वाले लोग अपने द्वारा बनाया हुआ बताते हैं। जब वे यह घोषणा करते हैं, "प्रभु के मंदिर ये हैं," तब वे उसी घर पर भरोसा रखते हैं।

यहोवा के घर के द्वार पर खड़े हो, और वहाँ यह वचन घोषणा करो, और कहो, 'हे यहूदा के सब लोग, जो इन द्वारों से यहोवा की आराधना करने प्रवेश करते हो, यहोवा का वचन सुनो। सेनाओं का यहोवा, इस्राएल का परमेश्वर, यों कहता है: अपने मार्गों और अपने कामों को सुधारो, तब मैं तुम्हें इस स्थान में बसने दूँगा। झूठे वचनों पर भरोसा मत करो, यह कहते हुए, "यहोवा का मंदिर, यहोवा का मंदिर, यहोवा का मंदिर यही हैं।"' यिर्मयाह 7:2-4.

जो लोग झूठे वचनों पर "भरोसा" करते हैं, वे वही हैं जो झूठ पर विश्वास करते हैं। प्रभु ने जो घर बनाया, वह उस नींव पर खड़ा किया गया, जिसे उसी ने भी बनाया था। जब परमेश्वर ने बुलाया, तो जिस वर्ग ने उत्तर देने से इंकार किया, उसने अपनी ही राहें चुनीं और घृणित कर्मों में प्रसन्न हुआ। उन्होंने "राहें" और "घृणित कर्म" बहुवचन में चुने, जबकि यिर्मयाह ने कहा था कि भीतर चलने के लिए केवल एक ही राह है।

यहोवा यों कहता है: मार्गों में खड़े होओ, और देखो, और प्राचीन पथों के विषय में पूछो कि अच्छा मार्ग कौन-सा है; उसी पर चलो, तब तुम्हें अपनी आत्माओं के लिये विश्राम मिलेगा। परन्तु उन्होंने कहा, हम उस पर न चलेंगे। मैंने तुम्हारे ऊपर पहरेदार भी ठहराए, जो कहते थे, नरसिंगे की ध्वनि पर ध्यान दो। परन्तु उन्होंने कहा, हम न सुनेंगे। इसलिये, हे राष्ट्रों, सुनो; और हे मण्डली, उनके बीच जो कुछ है, उसे जान लो। हे पृथ्वी, सुन: देखो, मैं इस प्रजा पर विपत्ति लाऊँगा—अर्थात् उनके विचारों का फल—क्योंकि उन्होंने न मेरे वचनों पर ध्यान दिया, न मेरी व्यवस्था पर, पर उसे तुच्छ जाना। क्या प्रयोजन है कि शेबा से धूप, और दूर देश से सुगन्धी बेंत मेरे पास लाई जाती है? तुम्हारी होमबलियाँ मुझे स्वीकार्य नहीं हैं, और तुम्हारे बलिदान मुझे प्रिय नहीं। यिर्मयाह 6:16-20।

पंद्रहवें अध्याय में, यिर्मयाह उन दुष्टों की मंडली को, जो कान रहते हुए भी नहीं सुनती थी, "उपहास करने वालों की सभा" कहता है। इस मंडली को "पहरेदार" दिया गया था—पहले और दूसरे स्वर्गदूतों के संदेशों के इतिहास में, और फिर तीसरे स्वर्गदूत के इतिहास में भी—परन्तु उन्होंने उस भले मार्ग पर चलने से इंकार कर दिया, जो कि प्राचीन पथ हैं। इसके बजाय, वे "मार्गों" में चले। इसी कारण, यशायाह बताता है कि परमेश्वर अनेक भ्रम चुनेगा, क्योंकि उन्होंने प्राचीन पथ के एकमात्र मार्ग के स्थान पर झूठे मार्गों की बहुलता को चुना। यशायाह की गवाही के अनुसार, उपहास करने वालों की सभा की उपासना प्रभु द्वारा अस्वीकार की जाती है। बहन व्हाइट यशायाह के "अनेक भ्रमों" को सीधे पौलुस के "प्रबल भ्रम" से जोड़ती हैं, और इसे मूलभूत सच्चाइयों के अस्वीकार के संदर्भ में रखती हैं—उस नींव के, जिस पर प्रभु ने अपना घर बनाया है और बनाता है।

जो ऊपर-ऊपर से नहीं, भीतर तक देखता है, जो सब मनुष्यों के हृदयों को पढ़ता है, वह उन लोगों के विषय में कहता है जिन्हें महान प्रकाश मिला है: 'वे अपनी नैतिक और आत्मिक दशा के कारण न तो व्यथित हैं और न ही चकित।' 'हाँ, उन्होंने अपनी ही राहें चुनी हैं, और उनकी आत्मा उनके घृणित कर्मों में प्रसन्न होती है। मैं भी उनके लिए भ्रम ठहराऊँगा, और उनके ऊपर वही बात ले आऊँगा जिससे वे डरते हैं; क्योंकि जब मैंने पुकारा, तब किसी ने उत्तर न दिया; जब मैंने कहा, तब उन्होंने नहीं सुना; परन्तु वे मेरी आँखों के सामने बुरा करते रहे, और उसी को चुनते रहे जिसमें मुझे प्रसन्नता न थी।' 'परमेश्वर उन्हें ऐसा प्रबल भ्रम भेजेगा कि वे झूठ पर विश्वास करें,' 'क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया, कि वे उद्धार पाएँ,' 'परन्तु अधर्म में सुख मानते रहे।' यशायाह 66:3, 4; 2 थिस्सलुनीकियों 2:11, 10, 12.

"स्वर्गीय शिक्षक ने पूछा: 'इससे अधिक प्रबल भ्रम मन को क्या भरमा सकता है, जितना यह दिखावा कि आप सही नींव पर निर्माण कर रहे हैं और यह कि परमेश्वर आपके कार्यों को स्वीकार करता है, जबकि वास्तविकता में आप अनेक बातें सांसारिक नीति के अनुसार चला रहे हैं और यहोवा के विरुद्ध पाप कर रहे हैं? ओह, यह बहुत बड़ा छल है, एक मोहक भ्रम, जो मनो पर अधिकार कर लेता है, जब वे लोग जिन्होंने एक बार सत्य जाना था, धर्मपरायणता के रूप को ही उसकी आत्मा और सामर्थ्य समझ बैठते हैं; जब वे यह मान लेते हैं कि वे धनवान हैं, संपत्ति में बढ़े-फूले हैं और उन्हें किसी बात की आवश्यकता नहीं, जबकि वास्तव में उन्हें हर चीज़ की आवश्यकता है.'"

परमेश्वर उन विश्वासयोग्य सेवकों के प्रति नहीं बदले हैं जो अपने वस्त्रों को निर्मल बनाए रखते हैं। परन्तु बहुत से लोग 'शांति और सुरक्षा' पुकार रहे हैं, जबकि उन पर अचानक विनाश आ रहा है। यदि पूरा-पूरा पश्चाताप न हो, यदि लोग स्वीकारोक्ति द्वारा अपने हृदयों को दीन न करें और सत्य को वैसा ही ग्रहण न करें जैसा वह यीशु में है, तो वे कभी स्वर्ग में प्रवेश नहीं करेंगे। जब हमारी पंक्तियों में शुद्धिकरण होगा, तब हम अब निश्चित होकर यह घमण्ड नहीं करेंगे कि हम धनी हैं और वस्तुओं में बढ़े हुए हैं, और हमें किसी बात की आवश्यकता नहीं है।

कौन सच्चाई से कह सकता है: 'हमारा सोना आग में परखा गया है; हमारे वस्त्र संसार के दाग से रहित हैं'? मैंने देखा कि हमारे शिक्षक तथाकथित धार्मिकता के वस्त्रों की ओर इशारा कर रहे थे। उन्हें उतारकर, उन्होंने नीचे की अशुद्धता प्रकट कर दी। तब उन्होंने मुझसे कहा: 'क्या तुम नहीं देख सकते कि उन्होंने किस तरह दिखावटी ढंग से अपनी अशुद्धता और चरित्र की सड़ांध को ढक रखा है? 'विश्वासी नगर कैसे वेश्या बन गया!' मेरे पिता का घर व्यापार का घर बना दिया गया है, ऐसा स्थान जहाँ से दिव्य उपस्थिति और महिमा हट चुकी है! इसी कारण निर्बलता है, और शक्ति का अभाव है.' Testimonies, खंड 8, 249, 250.

उस अनुच्छेद में, यिर्मयाह की हँसी उड़ाने वालों की सभा को लाओदीकियों के रूप में पहचाना गया है, जो मूर्ख कन्याएँ हैं।

"मूर्ख कुँवारियों द्वारा प्रतिनिधित्व की गई कलीसिया की अवस्था को लाओदीकिया की अवस्था भी कहा जाता है।" Review and Herald, 19 अगस्त, 1890.

आधी रात की पुकार के आगमन पर मूर्ख कुँवारियों के तेल की कमी प्रकट हो जाती है; तब उन पर ऐसा भ्रम छा जाता है जो किस मार्ग को चुनना है, इस विषय में उनके पहले के चुनाव के अनुरूप होता है, और वे यिर्मयाह के पुराने पथों को ठुकरा देती हैं। पुराने पथ वही हैं जहाँ विश्राम और ताज़गी मिलती है, और यही विश्राम और ताज़गी पिछली वर्षा है।

"मेरा ध्यान उस समय की ओर दिलाया गया जब तीसरे स्वर्गदूत का संदेश समापन पर था। परमेश्वर की शक्ति उसके लोगों पर ठहर गई थी; उन्होंने अपना कार्य पूरा कर लिया था और अपने आगे आने वाली कठिन परीक्षा की घड़ी के लिए तैयार थे। उन्होंने अन्तिम वर्षा, अर्थात् प्रभु की उपस्थिति से मिलनेवाली ताज़गी, प्राप्त कर ली थी, और जीवित गवाही पुनः जाग्रत हो गई थी। अन्तिम महान चेतावनी हर जगह गूँज चुकी थी, और इसने पृथ्वी के उन निवासियों को उत्तेजित कर दिया और क्रोधित कर दिया था जो इस संदेश को स्वीकार करने से इनकार करते थे।" अर्ली राइटिंग्स, 279.

पवित्र आत्मा के उंडेले जाने के समय, सत्य से प्रेम न करने वाली लाओदिकिया की मूर्ख कुँवारियों पर वह बलवान भ्रम उंडेला जाता है, और वे सत्य के बदले झूठ को मानना चुनती हैं। सत्य का अस्वीकार व्यवस्था के अस्वीकार के समान है, क्योंकि परमेश्वर की व्यवस्था परमेश्वर के भविष्यवाणी संबंधी नियमों में निहित है।

प्रकटीकरण किसी नई वस्तु का निर्माण या आविष्कार नहीं है, बल्कि उस बात का प्रकट होना है जो प्रकट होने तक मनुष्यों के लिए अज्ञात थी। सुसमाचार में निहित महान और शाश्वत सत्य, परिश्रमपूर्वक खोज करने और परमेश्वर के सम्मुख स्वयं को नम्र करने के द्वारा प्रकट होते हैं। दिव्य शिक्षक सत्य के विनम्र खोजी के मन का मार्गदर्शन करता है; और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन से वचन के सत्य उसे ज्ञात कराए जाते हैं। और इस प्रकार मार्गदर्शित होने से बढ़कर ज्ञान पाने का कोई अधिक सुनिश्चित और प्रभावी उपाय नहीं हो सकता। उद्धारकर्ता की प्रतिज्ञा थी, 'जब वह, सत्य का आत्मा, आएगा, तो वह तुम्हें सारे सत्य का मार्ग बताएगा।' पवित्र आत्मा के प्रदान किए जाने के द्वारा ही हमें परमेश्वर के वचन को समझने योग्य बनाया जाता है।

भजनकार लिखता है, 'एक युवक अपना मार्ग किस प्रकार शुद्ध करे? तेरे वचन के अनुसार उस पर ध्यान रखकर। मैंने पूरे मन से तुझे खोजा है: मुझे तेरी आज्ञाओं से भटकने न दे। . . . मेरी आँखें खोल दे, ताकि मैं तेरी व्यवस्था की अद्भुत बातें देख सकूँ.'

हमें यह उपदेश दिया गया है कि हम सत्य को उसी प्रकार खोजें जैसे छिपे हुए खजाने की खोज की जाती है। प्रभु सत्य के सच्चे खोजी की समझ को खोल देता है; और पवित्र आत्मा उसे प्रकाशना के सत्यों को ग्रहण करने में समर्थ बनाती है। यही भजनकार का आशय है जब वह प्रार्थना करता है कि उसकी आँखें खुलें, ताकि वह व्यवस्था में से अद्भुत बातें देख सके। जब आत्मा यीशु मसीह की श्रेष्ठताओं के लिए ललायित होती है, तब मन को बेहतर संसार की महिमाओं को ग्रहण करने की सामर्थ मिलती है। केवल दिव्य शिक्षक की सहायता से ही हम परमेश्वर के वचन के सत्यों को समझ सकते हैं। मसीह के विद्यालय में हम नम्र और दीन होना सीखते हैं, क्योंकि हमें भक्ति के रहस्यों की समझ दी जाती है। Sabbath School Worker, 1 दिसंबर, 1909.

अन्तिम वर्षा के संदेश या पद्धति को अस्वीकार करना, परमेश्वर की व्यवस्था को अस्वीकार करना है। जब यिर्मयाह ने कहा, "उन्होंने न तो मेरे वचनों को सुना, न मेरी व्यवस्था पर ध्यान दिया; बल्कि उसे ठुकरा दिया," तो वह होशे से सहमत हो रहा है।

मेरी प्रजा ज्ञान के अभाव से नष्ट हो रही है; क्योंकि तू ने ज्ञान को ठुकरा दिया है, इसलिए मैं भी तुझे ठुकराऊँगा, ताकि तू मेरे लिये याजक न रहे; क्योंकि तू ने अपने परमेश्वर की व्यवस्था को भुला दिया है, मैं भी तेरे बच्चों को भूल जाऊँगा। होशे 4:6.

मूर्ख जिस ज्ञान को ठुकराते हैं, वह वही ज्ञान-वृद्धि है जिसे दानिय्येल ने अंत के समय पर घटित होने वाला बताया है। 1798 में अंत के समय पर, और फिर 1989 में भी अंत के समय पर, ज्ञान में एक वृद्धि हुई जिसे उस दूत ने औपचारिक रूप दिया जिसे परमेश्वर ने उन दो समानांतर पीढ़ियों में से प्रत्येक की नींव स्थापित करते समय उपयोग करने के लिए चुना था। वे आधारभूत सत्य कुछ बाइबलीय नियमों के अनुसार व्यवस्थित किए गए थे, जो अपने-अपने इतिहासों के चुने हुए दूतों पर प्रगट किए गए थे; और वही आधारभूत सत्य यिर्मयाह के पुराने मार्ग हैं, और वे ही सत्य अंततः मध्यरात्रि की पुकार और जोरदार पुकार के संदेशों के तेल का प्रतिनिधित्व करते हैं। पिछली वर्षा, एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी के इतिहास में मध्यरात्रि की पुकार का संदेश उत्पन्न करती है, और इसके बाद बाबुल में अभी भी विद्यमान परमेश्वर के दूसरे झुंड को इकट्ठा करने के इतिहास में जोरदार पुकार का संदेश उत्पन्न करती है। पिछली वर्षा स्वयं एक संदेश भी है और वह कार्यप्रणाली भी है जो उस संदेश को उत्पन्न करती है। दानिय्येल की ज्ञान-वृद्धि एक तीन-चरणीय परीक्षा-प्रक्रिया की शुरुआत करती है।

और उसने कहा, हे दानिय्येल, तू अपनी राह चला जा; क्योंकि ये वचन अन्त के समय तक बन्द और मुहरबन्द रखे गए हैं। बहुत से लोग शुद्ध किए जाएंगे, शुभ्र किए जाएंगे, और परखे जाएंगे; परन्तु दुष्ट दुष्टता करेंगे; और दुष्टों में से कोई समझ नहीं पाएगा, परन्तु बुद्धिमान समझेंगे। दानिय्येल 12:9, 10.

दानिय्येल के दुष्ट, मत्ती की मूर्ख कुँवारियाँ हैं, जो अपनी लाओदीकियाई अवस्था बनाए रखने का चुनाव करती हैं। उनकी अवस्था दानिय्येल की तीन परीक्षाओं के तीसरे चरण में प्रकट होती है, जब बुद्धिमान और दुष्ट दोनों की परीक्षा ली जाती है। अंतिम परीक्षा वही है जहाँ न्याय निष्पादित होता है, और दोनों वर्ग यह प्रकट करते हैं कि उनके पास तेल है या नहीं।

"पुनः ये दृष्टांत सिखाते हैं कि न्याय के बाद कोई परिवीक्षा नहीं होगी। जब सुसमाचार का कार्य पूरा हो जाता है, तो उसके तुरंत बाद भलों और बुरों के बीच विभाजन होता है, और प्रत्येक वर्ग का भाग्य सदा के लिए निश्चित हो जाता है।" Christ's Object Lessons, 123.

तीसरी कसौटी पर चरित्र का प्रगटीकरण उपासकों को या तो मूर्ख लाओदीकियाई या बुद्धिमान फ़िलादेल्फ़ियाई के रूप में चिन्हित करता है। अंतिम कसौटी अंतिम वर्षा के संदेश के साथ मिलकर पूरी होती है, जिसे अंतिम वर्षा की पद्धति द्वारा प्रकाश में लाया गया है। अंतिम वर्षा की पद्धति को अस्वीकार करना किसी आत्मा को ऐसी स्थिति में रख देता है जहाँ वह अंतिम वर्षा के संदेश को समझ नहीं सकती। यशायाह संदेश और पद्धति को अंतिम कसौटी के रूप में पहचानते हैं।

वह किसे ज्ञान सिखाएगा? और किसको वह उपदेश समझाएगा? क्या उन्हें, जो दूध से छूट चुके हैं और स्तनों से अलग किए गए हैं? क्योंकि होना तो यह चाहिए कि आदेश पर आदेश, आदेश पर आदेश; रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा; यहाँ थोड़ा, वहाँ थोड़ा। क्योंकि वह हकलाते होंठों और पराई भाषा से इस प्रजा से बोलेगा। जिनसे उसने कहा था, यह वह विश्राम है जिससे तुम थके-मांदे को विश्राम दे सकते हो; और यह ताज़गी है; फिर भी उन्होंने सुनना नहीं चाहा। परन्तु यहोवा का वचन उनके लिये हो गया— आदेश पर आदेश, आदेश पर आदेश; रेखा पर रेखा, रेखा पर रेखा; यहाँ थोड़ा, वहाँ थोड़ा— ताकि वे जाएँ, और पीछे की ओर गिरें, और टूट जाएँ, और फँसें, और पकड़े जाएँ। इसलिए, हे ठट्ठा करनेवालो, जो यरूशलेम में इस प्रजा पर शासन करते हो, यहोवा का वचन सुनो। क्योंकि तुमने कहा है, हमने मृत्यु के साथ एक वाचा बाँधी है, और अधोलोक के साथ हमारा समझौता हो गया है; जब उमड़ती विपत्ति होकर निकलेगी, वह हम तक नहीं पहुँचेगी, क्योंकि हमने झूठ को अपना शरणस्थान बनाया है और असत्य के नीचे हमने अपने को छिपाया है। इस कारण प्रभु यहोवा यूँ कहता है: देखो, मैं सिय्योन में नींव के लिये एक पत्थर रखता हूँ— एक परखा हुआ पत्थर, एक बहुमूल्य कोने का पत्थर, दृढ़ नींव; जो विश्वास करता है वह घबराएगा नहीं। मैं न्याय को नापने की रेखा बनाऊँगा, और धर्म को सीसा; और ओले झूठ के शरणस्थान को झाड़ ले जाएँगे, और जल उस छिपने के स्थान को बहा ले जाएँगे। और तुम्हारी मृत्यु के साथ की वाचा रद्द कर दी जाएगी, और अधोलोक के साथ का तुम्हारा समझौता ठहरेगा नहीं; जब उमड़ती विपत्ति होकर निकलेगी, तब तुम उसके द्वारा रौंदे जाओगे। यशायाह 28:9-18.

बाइबल की भविष्यवाणी का "उफनता कहर" वह क्रमिक रविवार कानून का संकट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में शीघ्र आने वाले रविवार कानून से आरंभ होता है। वे मूर्ख और दुष्ट लाओदिकिया के लोग जिनमें "सत्य का प्रेम" नहीं है, और इसलिए ज्ञान की वृद्धि को अस्वीकार करते हैं, यह मानते हैं कि "उफनता कहर" उन पर "नहीं आएगा", क्योंकि अन्य बातों के साथ-साथ उन्होंने बाइबल की भविष्यवाणी में रोम के एक प्रतीक की एक झूठी परिभाषा को स्वीकार करना चुना। ऐसा करते हुए, उन्होंने अपनी ही भविष्यवाणी संबंधी नींव पर आधारित एक झूठा भविष्यसूचक मॉडल बना लिया। उनकी नींव रेत पर बनाई गई है, जो असंख्य छोटे-छोटे पिसे हुए पत्थरों का प्रतीक है। बुद्धिमानों की नींव एकमात्र चट्टान पर बनाई गई है।

परमेश्वर के उस अनुग्रह के अनुसार जो मुझे दिया गया है, एक बुद्धिमान मुख्य निर्माणकर्ता के समान मैंने नींव डाल दी है, और कोई दूसरा उस पर निर्माण करता है। परन्तु हर एक ध्यान दे कि वह उस पर कैसे निर्माण करता है। क्योंकि जो नींव रखी गई है, अर्थात् यीशु मसीह, उसके सिवा दूसरी कोई नींव कोई नहीं रख सकता। अब यदि कोई इस नींव पर सोना, चाँदी, रत्न, लकड़ी, घास, भूसा से निर्माण करे; तो हर एक का काम प्रकट हो जाएगा, क्योंकि वह दिन उसे प्रकट कर देगा, क्योंकि वह आग से प्रकट किया जाएगा; और आग हर एक के काम को परखेगी कि वह कैसा है। 1 कुरिन्थियों 3:10-13.

झूठी नींवों को सच्ची नींव के विपरीत रखा गया है, और वह सच्ची नींव मसीह यीशु—चट्टान—हैं। सच्ची या झूठी नींव दानियेल की तीन परीक्षाओं की अंतिम परीक्षा में प्रकट होती है। यह 'आग के द्वारा प्रकट' होती है—वाचा के दूत की आग से, जो अचानक अपने मंदिर में आएगा। तब एक वर्ग प्रकट होता है जिन्होंने मृत्यु के साथ वाचा बाँधी है, और एक वर्ग प्रकट होता है जिन्होंने जीवन की वाचा बाँधी है।

देखो, मैं अपना दूत भेजूँगा, और वह मेरे आगे मार्ग तैयार करेगा; और जिस प्रभु को तुम ढूँढ़ते हो, वह अचानक अपने मंदिर में आएगा—वह वाचा का दूत, जिसमें तुम प्रसन्न होते हो—देखो, वह आएगा, सेनाओं के प्रभु का यह वचन है। पर उसके आने के दिन कौन सह सकेगा? और जब वह प्रकट होगा तो कौन ठहर सकेगा? क्योंकि वह परिष्कर्ता की आग और धोबियों के साबुन के समान होगा। और वह चाँदी को परिष्कृत और शुद्ध करनेवाले के समान बैठेगा; और वह लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, और उन्हें सोने और चाँदी के समान शुद्ध करेगा, ताकि वे प्रभु को धर्म के अनुसार भेंट चढ़ाएँ। तब यहूदा और यरूशलेम की भेंट प्रभु को भली लगेगी, जैसे प्राचीन दिनों में और जैसे पुराने वर्षों में। और मैं न्याय करने को तुम्हारे निकट आऊँगा; और मैं जादू-टोना करने वालों, व्यभिचारियों, झूठी शपथ खाने वालों के विरुद्ध, और उन लोगों के विरुद्ध भी जो मजदूर को उसकी मजदूरी में सताते हैं, विधवा और अनाथ को दबाते हैं, और परदेसी को उसके अधिकार से वंचित करते हैं, शीघ्र साक्षी

ठहरूँगा; और जो मुझसे नहीं डरते—सेनाओं के प्रभु का यह वचन है। मलाकी 3:1-5.

वाचा का दूत न्याय में तब निकट आता है जब दानिय्येल की परीक्षण प्रक्रिया तीसरी परीक्षा तक पहुँचती है, और बुद्धिमानों तथा दुष्टों की परीक्षा होती है। दानिय्येल की तीन-चरणीय परीक्षण प्रक्रिया अन्त के समय में आरम्भ होती है, जब दानिय्येल की पुस्तक की मुहर खुल जाती है और ज्ञान में वृद्धि होती है। चुने हुए दूत, जो तुरही फूँकता है, के कार्य के माध्यम से ज्ञान में हुई यह वृद्धि स्पष्ट हो जाती है। उस दूत को मलाकी 'दूत' कहकर संबोधित करता है जो 'मार्ग तैयार करता है', वाचा के दूत के आगमन से पहले। वाचा का वही दूत अग्नि के द्वारा यह प्रकट करता है कि किसने उसके साथ वाचा बाँधी है, या किसने मृत्यु के साथ वाचा बाँधने का चुनाव किया है। मिलरवादी इतिहास में मसीह 22 अक्टूबर, 1844 को अपने मंदिर में अचानक आ गए; यह एक मार्गचिह्न है जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून का पूर्वाभास देता है।

हमारे महायाजक के रूप में मसीह का परमपवित्र स्थान में पवित्रस्थान की शुद्धि के लिए आना, जिसे दानिय्येल 8:14 में प्रकट किया गया है; मनुष्य के पुत्र का दिनों के प्राचीन के पास आना, जैसा कि दानिय्येल 7:13 में प्रस्तुत है; और प्रभु का अपने मंदिर में आना, जिसकी भविष्यद्वाणी मलाकी ने की थी—ये सब एक ही घटना के वर्णन हैं; और इसका चित्रण मत्ती 25 में दस कुँवारियों के दृष्टान्त में मसीह द्वारा वर्णित विवाह के लिए दूल्हे के आने से भी किया गया है। महान विवाद, 426.

दानिय्येल की तीन परीक्षाओं में अंतिम परीक्षा शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय होती है, जब वाचा का दूत आग के द्वारा यह प्रकट करने आता है कि किसने जीवन या मृत्यु के साथ वाचा बाँधी है, जिसे लेवीयों के संदर्भ में रखा गया है। जब मलाकी मत्ती की बुद्धिमान और मूर्ख कुँवारियों का—जो यूहन्ना के लाओदीकियावासी और फिलाडेल्फियावासी हैं—और दानिय्येल के बुद्धिमान और दुष्टों का वर्णन करता है, तब दोनों समूहों की अग्नि द्वारा परीक्षा ली जाती है, और तब वे प्रकट करते हैं कि कौन लेवीय है और कौन नहीं।

लेवीयों को उन लोगों का प्रतीक माना गया है, जो सोने के बछड़ों से जुड़े दो विद्रोहों के समय निष्ठापूर्वक डटे रहे। पहला विद्रोह हारून के समय का था, और दूसरा यारोबाम का विद्रोह। दोनों उदाहरणों में लेवी लोग विश्वासयोग्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और दोनों उदाहरण शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय लेवीयों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए एक समूह की विश्वासयोग्यता के दो साक्षी प्रदान करते हैं। हारून ने सोने का बछड़ा बनाया। सोना बाबुल का प्रतीक है, और बछड़ा एक पशु की प्रतिमा है। फिर उसने एक पर्व ठहराया और मूर्ख लोगों ने बछड़े के चारों ओर नंगे होकर नृत्य किया। उनके समस्त विद्रोह का आधार और प्रेरणा चुने हुए दूत मूसा का अस्वीकार करना था।

और मूसा ने हारून से कहा, इस लोगों ने तुझ से क्या किया कि तूने उनके ऊपर इतना बड़ा पाप लाया? और हारून ने कहा, मेरे प्रभु का क्रोध भड़कने न पाए; तू इस लोगों को जानता है कि वे बुराई करने पर तुले हुए हैं। क्योंकि उन्होंने मुझ से कहा, हमारे लिए ऐसे देवता बना जो हमारे आगे-आगे चलें; क्योंकि जहाँ तक उस मूसा का प्रश्न है—वह मनुष्य जिसने हमें मिस्र देश से निकाल कर लाया—हम नहीं जानते कि उसके साथ क्या हुआ। तब मैंने उनसे कहा, जिसके पास कोई सोना हो, वह उसे तोड़कर उतार दे। सो उन्होंने वह मुझे दे दिया; तब मैंने उसे आग में डाला, और यह बछड़ा निकल आया। और जब मूसा ने देखा कि लोग नग्न हो गए हैं (क्योंकि हारून ने उन्हें उनके शत्रुओं के बीच उनकी लज्जा के लिए नग्न कर दिया था), तब मूसा छावनी के फाटक पर खड़ा होकर कहने लगा, जो यहोवा की ओर है, वह मेरे पास आए। तब सब लेवी के पुत्र उसके पास इकट्ठे हो गए। और उसने उनसे कहा, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा यों कहता है: हर एक अपने पहलू पर तलवार बाँध ले, और छावनी भर फाटक से फाटक तक आना-जाना करे, और हर एक अपने भाई को, हर एक अपने साथी को, और हर एक अपने पड़ोसी को मार डाले। और लेवी के पुत्रों ने मूसा के वचन के अनुसार किया; और उस दिन लोगों में से लगभग तीन हज़ार पुरुष गिर पड़े। निर्गमन 32:21-28।

जो नाचे, वे लाओदिकिया के लोग थे, जिन्होंने "अपनी नग्नता की लज्जा" प्रकट की, जो छठी विपत्ति की चेतावनी है—यह चेतावनी कि आधुनिक रोम की त्रि-भागी संरचना को अजगर, पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता के रूप में सही ढंग

से समझना आवश्यक है। वह चेतावनी उरियाह स्मिथ की निजी व्याख्या का तीखा खंडन करती है, जिसने छठी विपत्ति और हरमगिदोन से संबंधित सत्यों को नष्ट कर दिया।

जिन लोगों ने अपनी लाओदीकियाई अवस्था प्रकट की, उन्होंने चुने हुए दूत के अधिकार को अस्वीकार कर दिया और वही भ्रमित समझ दिखायी जो उन लोगों की है जो "the daily" के शैतानी प्रतीक को मसीह की पवित्रस्थान सेवकाई के ईश्वरीय प्रतीक के रूप में मानते हैं। उन्होंने अपने उद्धार का श्रेय एक प्रतीकात्मक देवता को दिया, परंतु जिस देवता की उन्होंने उपासना करना चुना, वह मिस्र के देवता का प्रतीक था, और मिस्र अजगर का प्रतीक है। लाओदीकियाई एडवेंटवाद की तरह, उन्होंने इस सत्य को अस्वीकार कर दिया कि "the daily" मूर्तिपूजक रोम, अर्थात् अजगर, का प्रतीक है, और उस शैतानी प्रतीक को मसीह का प्रतीक ठहराया।

हे मनुष्य के पुत्र, तू अपना मुख मिस्र के राजा फिरौन के विरुद्ध कर, और उसके विरुद्ध तथा सारे मिस्र के विरुद्ध भविष्यद्वाणी कर: कह, प्रभु परमेश्वर यों कहता है: देख, मैं तेरे विरुद्ध हूँ, हे मिस्र के राजा फिरौन, तू वह बड़ा अजगर है जो अपनी नदियों के बीच पड़ा है, जिसने कहा है, "यह नदी मेरी है, और मैंने इसे अपने लिये बनाया है।" यहजकेल 29:2, 3.

हारून के विद्रोहियों ने इस झूठ पर विश्वास किया कि अजगर का एक प्रतीक, जो स्वर्ण बछड़े द्वारा दर्शाया गया था, वही परमेश्वर था जिसने उन्हें मिस्र की दासता से छुड़ाया था। लाओदिकियाई एडवेंटवाद इस झूठ पर विश्वास करता है कि मूर्तिपूजक रोम (अजगर) का एक प्रतीक, जिसका प्रतिनिधित्व "the daily" करता है, मसीह का प्रतीक है, जिसका कार्य स्वर्गीय पवित्रस्थान में अपनी सेवकाई में मनुष्यों को पाप की दासता से छुड़ाना है। उन्होंने चुने हुए संदेशवाहक को भी अस्वीकार कर दिया, जैसा कि "the daily" के प्रतीकवाद को लेकर विवाद में लाओदिकियाई एडवेंटवाद ने किया।

लाओदीकियाई एडवेंटवाद की पहली पीढ़ी (1844 से 1888) में उन्होंने "सात समय" की पहचान में मिलर के कार्य को अस्वीकार कर दिया। दूसरी पीढ़ी (1888 से 1919) में उन्होंने "निरंतर" के सत्य को अस्वीकार करने की प्रक्रिया शुरू की। तीसरी पीढ़ी (1919 से 1957) में वे धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की उस समझ पर लौट गए कि तेरे लोगों के लुटेरे अन्तियोकुस एपिफ्रेनीज़ है। 11 सितम्बर, 2001 को जब उसी दिन तीसरी हाय आई, तब उन्होंने बाइबल की भविष्यवाणी में इस्लाम की भूमिका को अस्वीकार कर दिया। इन चारों सत्यों का मिलर ने समर्थन किया था और वे हबक्कूक की दो पट्टिकाओं पर प्रदर्शित हैं; और ये सभी मूलभूत सत्य हैं जिनका श्रेय मिलर के कार्य को दिया जाता है, जिन्हें बहन व्हाइट "चुना हुआ" कहती हैं।

यारोबाम का विद्रोह उत्तरी राज्य के आरंभ में शुरू हुआ, जो दस गोत्रों से बना था और जिन्होंने यारोबाम को अपना पहला राजा बनाया। यारोबाम ने दो सोने के बछड़े बनाए और एक को बेतएल में रखा, जिसका अर्थ है 'परमेश्वर का घर', और दूसरे को दान में, जिसका अर्थ है 'न्याय'। साथ मिलकर बेतएल और दान कलीसिया (बेतएल) और राज्य (दान) के संयोजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। और जैसे हारून के विद्रोह में था, वैसे ही बछड़े सोने के बने थे, जो बाबुल का प्रतीक है, और दोनों पशु की प्रतिमा थे। हारून की तरह ही, यारोबाम ने एक वार्षिक पर्व ठहराया और उन बछड़ों को उन देवताओं के रूप में घोषित किया जिन्होंने परमेश्वर की प्रजा को मिस्र से छुड़ाया।

और यारोबाम ने अपने मन में कहा, अब राज्य दाऊद के घराने को लौट जाएगा। यदि ये लोग यरूशलेम में यहोवा के भवन में बलिदान चढ़ाने को ऊपर जाते रहे, तो इस लोगों का मन उनके स्वामी, अर्थात् यहूदा के राजा रहोबाम की ओर फिर जाएगा; और वे मुझे मार डालेंगे, और फिर से यहूदा के राजा रहोबाम के पास लौट जाएंगे। तब राजा ने परामर्श किया, और सोने के दो बछड़े बनवाए, और लोगों से कहा, यरूशलेम को जाना तुम्हारे लिये कठिन है; हे इस्राएल, देख, ये तेरे देवता हैं, जिन्होंने तुझे मिस्र देश से निकाल लाए। और उसने एक को बेतएल में रखा, और दूसरे को दान में स्थापित किया। और यह बात पाप ठहरी; क्योंकि लोग उस एक के सामने पूजा करने को, यहाँ तक कि दान तक जाने लगे। और उसने ऊँचे स्थानों के लिये एक भवन बनाया, और प्रजा के सबसे निम्न लोगों में से याजक बनाए, जो लेवी के पुत्रों में से नहीं थे। और यारोबाम ने आठवें महीने के पंद्रहवें दिन,

यहूदा में होने वाले पर्व के समान, एक पर्व ठहराया, और वेदी पर बलिदान चढ़ाया। और उसने बेतएल में भी वैसा ही किया; अर्थात् अपने बनाए हुए बछड़ों को बलिदान चढ़ाया, और जिन ऊँचे स्थानों को उसने बनाया था, उनके याजकों को बेतएल में नियुक्त किया। और उसने आठवें महीने के पंद्रहवें दिन, उस वेदी पर जो उसने बेतएल में बना रखी थी, बलिदान चढ़ाया, उस महीने में जिसे उसने अपने मन से ठहराया था; और इस्राएल की सन्तान के लिये एक पर्व ठहराया; और उसने वेदी पर बलिदान चढ़ाया और धूप जलाया। 1 राजाओं 12:26-33.

यारोबाम ने 'अपने ही मन में' योजना गढ़ी, जो उरियाह स्मिथ के उस कार्य का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें उन्होंने एक 'निजी व्याख्या' प्रस्तुत की, जिसके आधार पर उन्होंने अपना भविष्यसूचक मॉडल बनाया। यारोबाम ने हारून के तरीके का अनुसरण किया और इस प्रकार मिस्र के एक देवता को सच्चे परमेश्वर के रूप में गलत ढंग से प्रस्तुत किया। जिस देवता को हारून और यारोबाम दोनों ने प्रस्तुत किया, वह रोम की राजसत्ता और कलीसियाई सत्ता की दोहरी प्रकृति के प्रतीक के गलत अनुप्रयोग पर आधारित था। हारून और यारोबाम दोनों ही अजगर की शक्ति की एक प्रतिमा को, 'पशु की प्रतिमा' के प्रतीकवाद के रूप में, प्रस्तुत कर रहे थे। इस प्रकार, विद्रोह के वे दोनों पवित्र वृत्तांत परमेश्वर के लोगों की उस महान परीक्षा का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके द्वारा उनका अनन्त भाग्य निर्धारित होगा। दैवीय प्रेरणा के अनुसार वह परीक्षा 'पशु की प्रतिमा' के निर्माण की परीक्षा है।

'तेरे लोगों के लुटेरे' के रूप में रोम के प्रतीक को लेकर पहला विवाद, जो 1843 के अग्रदूत चार्ट तक पहुँच गया था, यह तर्क देता था कि एंटीओखस एपिफेनीज़ ही वह लुटेरा था, जबकि वास्तविकता यह है कि लुटेरे रोम हैं। उसी पहले विवाद ने 'तेरे लोगों के लुटेरे' रोम होने के विषय पर अंतिम विवाद का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ अब तर्क दिया जाता है कि लुटेरे रोम नहीं, बल्कि संयुक्त राज्य हैं। तथापि, दानियेल ग्यारह की आयत दस से पन्द्रह में एंटीओखस संयुक्त राज्य का प्रतीक है; अतः किसका प्रतिनिधित्व किया गया है, इस बारे में शुरुआती झूठ और अंतिम झूठ एक समान है।

अंत के दिनों में एंटियोक्स किसका प्रतिनिधित्व करता था, इस विषय में फैला अंधकार और भ्रम, पशु की मूर्ति के विषय में भी भ्रम पैदा करता है, ठीक वैसे ही जैसे हारून और यारोबाम की बगावत ने किया था। पशु की मूर्ति के विषय में यह भ्रम ठीक उसी समय घटित हो रहा है जब परमेश्वर की प्रजा के लिए महान परीक्षा पशु की मूर्ति का निर्माण है।

प्रभु ने मुझे स्पष्ट रूप से दिखाया है कि अनुग्रह का काल समाप्त होने से पहले पशु की प्रतिमा निर्मित की जाएगी; क्योंकि वही परमेश्वर की प्रजा के लिए महान परीक्षा होगी, जिसके द्वारा उनकी अनन्त नियति का निर्णय होगा। तुम्हारा मत ऐसे विरोधाभासों का गड़बड़झाला है कि बहुत कम लोग ही इससे धोखा खाएँगे।

प्रकाशितवाक्य 13 में यह विषय स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है; [प्रकाशितवाक्य 13:11-17, उद्धृत]।

"यह वह परीक्षा है जिससे परमेश्वर के लोगों को मुहरबंद होने से पहले होकर गुजरना होगा। जिन्होंने उसकी व्यवस्था का पालन करके, और नकली सब्त को स्वीकार करने से इंकार करके, परमेश्वर के प्रति अपनी निष्ठा सिद्ध की, वे प्रभु परमेश्वर यहोवा के ध्वज के अधीन गिने जाएंगे और जीवित परमेश्वर की मुहर प्राप्त करेंगे। जो लोग स्वर्गीय मूल के सत्य को छोड़कर रविवार के सब्त को स्वीकार करते हैं, वे पशु का चिन्ह प्राप्त करेंगे।"

Manuscript Releases, volume 15, 15.

जब सिस्टर व्हाइट ने मिलर के उस मत का समर्थन किया कि "दैनिक" मूर्तिपूजक रोम का प्रतिनिधित्व करता है, तो उन्होंने कहा कि 1844 से "अन्य मत"—बहुवचन में—अपनाए गए हैं, जिनसे "अंधकार और भ्रम" उत्पन्न हुआ है। "दैनिक" के बारे में झूठे मत—जो मूर्तिपूजक रोम, "तेरे लोगों के लुटेरे", का प्रतीक है—रोम और रोम की प्रतिमा के बीच के भेद के संबंध में भ्रम और अंधकार उत्पन्न करते हैं।

रोम के एक प्रतीक को लेकर पहला और अंतिम दोनों विवाद उन पूर्व वाचा के लोगों, जिन्हें दरकिनार किया जा रहा था, और उन लोगों के बीच हुए, जो तब परमेश्वर की नई वाचा के लोग बनते जा रहे थे। इस विवाद में स्थापित व्याकरण के नियमों के अधीन होने की अनिच्छा भी शामिल थी, क्योंकि चौदहवें पद में "also" शब्द को प्रोटेस्टेंटों ने

अस्वीकार कर दिया, और इस प्रकार दावा किया कि लुटेरे पिछले पदों में दर्शाई गई उसी शक्ति के ही होने चाहिए।

जब एंटीओक्स को 'लुटेरों' के रूप में ठहराने के लिए बाध्य किया गया, तब यह पवित्र शास्त्रों का तोड़-मरोड़ना था। यह निजी व्याख्या थी, क्योंकि सत्य के विरोध में कोई भी मिथ्या सिद्धांत निजी व्याख्या ही होता है। स्वयं विवाद एक आधारभूत सत्य बन गया, क्योंकि उसे 1843 के पायनियर चार्ट पर दर्ज किया गया था। प्रेरणा द्वारा उस चार्ट के अनुमोदन ने 'लुटेरों' को रोम के प्रतीक के रूप में पुष्टि और मान्यता दी, और सत्य की गंभीरता को बढ़ा दिया, क्योंकि उस सिद्धांत को अस्वीकार करना, नींवों और भविष्यवाणी की आत्मा के अधिकार—दोनों—का अस्वीकार करना था।

'तेरी प्रजा के लुटेरे' रोम का प्रतिनिधित्व करते हैं—इसकी सही समझ—उस भविष्यसूचक मॉडल में जोड़ दी गई जो स्वर्गदूतों ने विलियम मिलर को दिया था, क्योंकि यह उस भविष्यसूचक मॉडल से सहमत थी जिसे उसने समझा और प्रस्तुत किया; अर्थात् यह कि मूर्तिपूजक और पापल रोम उसकी सभी भविष्यसूचक अनुप्रयोगों की नींव थे।

दानियेल के ग्यारहवें अध्याय के पद छत्तीस में उत्तर के राजा को फ्रांस, और पद चालीस में उसे तुर्की ठहराने वाली उरियाह स्मिथ की व्यक्तिगत व्याख्या, उत्तर के राजा की दो गलत पहचानें थीं। 1863 में आधारों का स्मिथ द्वारा किया गया अस्वीकार ऐसी अंधता का कारण बना, जिसने उसे भविष्यवाणी के एक अत्यंत मूलभूत नियम को देखने से रोक दिया: कि मसीह के समय के आसपास भविष्यवाणी ने उन आधुनिक आत्मिक सत्ताओं को चित्रित किया जिन्हें प्राचीन शाब्दिक सत्ताओं द्वारा पूर्वछायित किया गया था। पौलुस ने इस सत्य की विशिष्ट रूप से शिक्षा दी, यह स्पष्ट करते हुए कि पहले शाब्दिक आता है और उसके बाद आत्मिक।

परन्तु पहले आत्मिक नहीं, बल्कि प्राकृतिक; और उसके बाद आत्मिक। 1 कुरिन्थियों 15:46.

स्मिथ वाचा के उन लोगों में से था जिन्होंने परमेश्वर के लोगों के रूप में धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद का स्थान ले लिया था, पर जब उसने सात समय को अस्वीकार किया और अपना 1863 का चार्ट प्रस्तुत किया, तो उसने उनके विद्रोह का ही समर्थन किया। उसकी निजी व्याख्या लागू करने से प्रकाशितवाक्य अध्याय सोलह में हरमगिदोन के बारे में गलत समझ पैदा हुई, जो रोम की सही समझ के संबंध में एक और परीक्षा है।

लुटेरों को लेकर पहले विवाद में, स्मिथ ने उन लोगों का प्रतिनिधित्व किया जो दस कुँवारियों के दृष्टांत की पहली पूर्ति में शामिल रहे थे। इस प्रकार, उत्तरी राजा के विषय में अपने निजी दृष्टिकोण के साथ, वह एक वाचा के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें 1856 से 1863 के बीच छोड़ दिया जा रहा था, जब वे लाओदीकियाई सप्तम-दिवसीय ऐडवेंटिस्ट कलीसिया बन रहे थे। जैसे लुटेरों के विवाद में प्रोटेस्टेंटों ने किया था, वैसे ही स्मिथ ने भी उस खंड के व्याकरणिक अधिकार की अनदेखी की, जिसे उसने अपनी निजी व्याख्या से तोड़ा-मरोड़ा, क्योंकि व्याकरण की दृष्टि से पद 31 से 45 तक उत्तरी राजा सदैव और केवल पापाई सत्ता ही है।

"the daily" के विवाद के साथ, पुरानी प्रोटेस्टेंट धारणा को बनाए रखने के लिए कि "the daily" मसीह की पवित्रस्थान-सेवा का प्रतिनिधित्व करता है, विली व्हाइट और ए. जी. डैनियल्स द्वारा एडवेंट इतिहास में झूठ शामिल किए गए। उस विशिष्ट इतिहास की पहचान हबककूक की सारणियों में की गई है, परंतु गलत मत के प्रचार और स्थापना से जुड़ी झूठी गवाही पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, क्योंकि सही समझ को मिलर ने दूसरा थिस्सलुनीकियों में पहचाना था, जहाँ मुद्दा उन लोगों के बीच के विरोधाभास का है जो सत्य से प्रेम करते हैं और जो झूठ पर विश्वास करते हैं।

"द डेली" का विवाद इस क्रमशः विकसित होती समझ में यह जोड़ता है कि रोम का अंतिम विवाद पवित्र आत्मा के उंडेले जाने के समय घटित होता है। जैसे ही पवित्र आत्मा ऊपर से उंडेला जा रहा है, नीचे से एक शक्ति उभर रही है और जो उसे परमेश्वर की शक्ति मानकर ग्रहण करते हैं, उन पर वह अधिकार कर लेती है, यद्यपि वह एक प्रबल भ्रम है।

विवाद में शामिल दो महान शक्तियाँ कार्यरत हैं—एक नीचे से, दूसरी ऊपर से। हर मनुष्य इनमें से किसी एक के गुप्त प्रभाव के अधीन है, और उसके कर्म उस प्रेरणा के स्वरूप को प्रकट करेंगे जिससे वे उत्पन्न होते हैं। जो मसीह के साथ संयुक्त हैं, वे सदा मसीह की रेखाओं के अनुसार कार्य करेंगे। जो शैतान के साथ एकता में हैं, वे अपने नेता की प्रेरणा के अधीन कार्य करेंगे, पवित्र आत्मा की शक्ति और कार्य के विरोध में। मनुष्य की इच्छा को कार्य करने के लिए स्वतंत्र छोड़ा गया है, और कर्म के द्वारा यह प्रकट होता है कि कौन-सी आत्मा हृदय पर प्रभाव डाल रही है। 'उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे।' The 1888 Materials, 1508.

'the daily' के विवाद में भविष्यद्वाणी-संबंधी विरोधाभास यह है कि अजगर के एक प्रतीक की पहचान मसीह के प्रतीक के रूप में कर दी गई है। जो सत्य को अस्वीकार करते हैं, वे इस सत्य की खोज करने वाले मिलर की भूमिका को भी अस्वीकार कर रहे हैं, और ऐसा करते हुए वे पवित्र आत्मा को अस्वीकार कर रहे हैं और अक्षम्य पाप के भागी हो रहे हैं।

हम अगले लेख में रोम को लेकर 11 सितंबर, 2001 के तुरंत बाद हुआ एक विवाद पर चर्चा करेंगे।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब जीवन अत्यन्त मूल्यवान और अत्यन्त रोचक है। सब बातों का अन्त निकट है। चौंकाने वाले घटनाक्रम हमारे सामने लगातार प्रकट होते रहेंगे; क्योंकि अदृश्य शक्तियाँ काम कर रही हैं, अत्यधिक सक्रियता प्रकट कर रही हैं। नीचे से आने वाली अन्धकार की शक्तियाँ मानव प्रतिनिधियों पर प्रभाव डाल रही हैं, और दुष्ट मनुष्य दुष्ट स्वर्गदूतों के साथ मिलकर परमेश्वर की आज्ञाओं और यीशु के विश्वास के विरुद्ध युद्ध कर रहे हैं; उसी समय ऊपर से आने वाली एक शक्ति उन पर कार्य कर रही है जो दिव्य प्रभावों के सामने झुकेंगे, और परमेश्वर की प्रजा स्वर्गीय बुद्धियों के साथ सहयोग कर रही है। सच्चे, खरे विश्वास से कम कुछ भी उस दबाव को नहीं सह पाएगा जो इन अन्तिम दिनों में प्रत्येक मनुष्य की आत्मा पर उसे जाँचने और परखने के लिए आएगा। परमेश्वर हमारा शरणस्थान होना चाहिए; हम रूप, आडम्बर, विधि-विधान, या पद पर भरोसा नहीं कर सकते, और न ही यह सोच सकते हैं कि क्योंकि हमारे पास जीते-जागते होने का नाम है, हम परीक्षा के दिन स्थिर रह पाएँगे। जो कुछ हिलाया जा सकता है वह सब हिलाया जाएगा, और जो इन अन्तिम दिनों की छल और भ्रांतियों से नहीं हिलाया जा सकता, वही ठहरेगा। अपनी आत्मा को अनन्त चट्टान से कसकर बाँध दो; क्योंकि केवल मसीह में ही सुरक्षा होगी। यीशु ने जिन दिनों में हम जी रहे हैं उन्हें संकट के दिन बताया। उन्होंने कहा, 'जैसे नूह के दिन थे, वैसे ही मनुष्य का पुत्र का आगमन होगा। क्योंकि जैसा जलप्रलय से पहले के दिनों में वे खाते-पीते थे, विवाह करते और विवाह में देते थे, उस दिन तक जब नूह जहाज़ में प्रवेश कर गया; और जब तक जलप्रलय आया और उन सबको बहा ले गया, वे जान न सके; वैसे ही मनुष्य का पुत्र का आगमन होगा।' 'इसी प्रकार जैसे लूत के दिनों में हुआ; वे खाते-पीते थे, खरीदते-बेचते थे, लगाते-लगवाते थे, बनाते-बनवाते थे; पर उसी दिन जब लूत सदोम से निकला, आकाश से आग और गन्धक की वर्षा हुई, और उन सबको नाश कर दिया। मनुष्य का पुत्र प्रगट होने के दिन भी ऐसा ही होगा।' 'जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा और सब पवित्र स्वर्गदूत उसके साथ होंगे, तब वह अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा; और उसके सामने सब जातियाँ इकट्ठी की जाएँगी; और वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा, जैसे कोई चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है; और वह भेड़ों को अपने दाहिने हाथ पर, पर बकरियों को बाएँ पर रखेगा। तब राजा अपने दाहिने हाथ वालों से कहेगा, आओ, मेरे पिता के आशीष पाए हुए, उस राज्य को प्राप्त करो जो जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है।' इस जीवन में हमारा चलन वहाँ हमारी अनन्त नियति को ठहराएगा; यह हमें ही ठहराना है कि हम परमेश्वर का राज्य विरासत में पाने वालों के साथ होंगे, या बाहरी अन्धकार में चले जाने वालों के साथ। हमारे उद्धार के लिए परमेश्वर ने हर प्रबन्ध कर दिया है; तो आओ, जो अनन्त मूल्य देकर हमारे लिए खरीदा गया है, उसका लाभ उठाएँ। 'क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, पर अनन्त जीवन पाए।' यूथ इन्स्ट्रक्टर, 3 अगस्त, 1893.